Title: Regarding lifting of ban on derivative trading in seven agriculture commodities

श्री कृपाल बालाजी तुमाने (रामटेक): सेबी ने कुल आठ कृषि जिंस वायदा पर प्रतिबंध लगा दिया है। इनमें से सात कृषि कमोडिटी फ्यूचर्स को एक साल के लिए बढ़ाया गया है, जबकि कॉटन फ्यूचर्स अस्थायी और अनिश्चित हैं, तुरी पर प्रतिबंध आठ साल से लगा हुआ है। कृषि उत्पादों की कीमतों पर दबाव के कारण किसान आर्थिक संकट में हैं । इन कृषि जिंसों का वायदा दिसंबर 2023 तक बंद रहेगा । देश में सोयाबीन औसतन 5,000 रुपये प्रति क्विंटल और सरसों 5,500 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बिक रही है। यदि वायदा खुला होता तो किसानों को मौजूदा रेट से कम से कम 500 से 900 रुपये ज्यादा मिलते । वायदा प्रतिबंध के कारण किसानों को कृषि जिंसों के भविष्य संदर्भ मूल्य की जानकारी नहीं मिल रही है। वर्तमान किसानों को सोयाबीन 6 हजार की जगह 5 हजार रुपए और कपास 9 हजार की जगह 8 हजार रुपए प्रति क्विंटल बेचना पड़ रहा है।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि जिन कृषि जिंसों पर सेबी ने प्रतिबंध लगाया है उन्हें तत्काल वायदा प्रतिबंध से बाहर किया जाय और किसानों को हुए आर्थिक नुकसान से बचाया जाय और उन्हें हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई की जाय ।